प्राकृत भाषा में प्रकाशित प्रथम अखबार 'पागद-भासा'का नया अंक प्रकाशित

पागद-भासा (प्राकृत भाषा)का नया अंक प्रकाशित हो गया है ।ये एक छोटा सा अव्यवसायिक प्रयास है ।सुधार की संभावनाएं हमेशा रहेंगी ही ।आप चाहें तो इसका प्रिंट निकाल कर मंदिरों ,स्वाध्याय भवनों,पुस्तकालयों में रख सकते हैं अपने परिजनों मित्रों में वितरित कर सकते हैं । इस भाषा के प्रचार प्रसार में सोशल मीडिया में शेयर करके नया योगदान भी आप भी कर सकते हैं ।हमारे पास इसके प्रचार के अन्य कोई साधन नहीं हैं आप यदि किसी बेब साईट /ब्लॉग/group/या मिडिया से जुड़े हैं तो वहां इसके चार पेज नि:शुल्क जोड़ कर इसे आम जनता तथा अन्य विद्वानों तक पहुँचाने में योगदान करें ।

मैं भी प्राकृत का सामान्य विद्यार्थी हूँ ।किन्तु मेरे साथ नए युवा विद्वानों की एक टीम इस अखबार के माध्यम से निरंतर जुड़ रही है वे अपना अकादमिक और रचनात्मक योगदान इस अखबार में कर रहे हैं ।आप सभी का भी स्वागत है ।फेसबुक पर प्राकृत के इस पेज को यदि आप LIKE करें तो इस विषय पर गतिविधियाँ आपको निरंतर मिलती रहेगी ।आप सभी की सुविधा के लिए हम अखबार में प्रकाशित रचनाओं का हिंदी अनुवाद भले ही अभी अखबार में प्रकाशित न कर पायें किन्तु इस पेज पर देने का प्रयास करेंगे । आपके सुझावों का स्वागत है ।इन्टरनेट के निम्नलिखित लिंक पर जाकर आप इस अखबार को देख -पढ़ सकते हैं –
https://www.facebook.com/pages/Prakrit-Language-and-Literature/376483559110083?ref=hl

https://www.facebook.com/groups/prakritlanguage/

http://prakritlanguage.blogspot.in/

प्राकृत भाषा में यदि अपनी रचनाएँ ,समाचार भेजना चाहें तो इस ई मेल पर भेजें –
pagadbhasa001@gmail.com

हम इसी प्रकार आपको आगे के अंक उपलब्ध करवाते रहेंगे ।आप अपनी वेबसाइट के magzine section पर इसे नि:शुल्क प्रकाशित कर सकते हैं ।

आपकी प्रतिक्रिया का स्वागत है।

धन्यवाद
आपका
डॉ अनेकांत कुमार जैन
मानद संपादक –
'पागद भासा'(प्राकृत भाषा में प्रथम समाचार पत्र)

Office-
JIN FOUNDATION
A93/7A,Behind Nanda Hospital,
Chattarpur Extention
New Delhi-110074